an>

Title: Need to provide central asistance to cultural programmes which are organized in Chitrakoot and Maihar every year in Satna Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि मुझे आपने बोलने का अवसर दिया। मेरे संसदीय क्षेत्र में दो बड़े पर्यटन एवं धार्मिक स्थल हैं। एक चित्रकूट और दूसरा मैहर है। चित्रकूट में भगवान राम ने साढ़े ग्यारह वर्ष के वनवास का समय बिताया था। वहाँ पर " रामायणम् " के नाम से राज्य सरकार के सहयोग से हर वर्ष हम लोग एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। देश-विदेश में भगवान राम के जीवन चरित्र के बारे में जो नाटिकाएँ हैं, वे वहाँ प्रस्तुत की जाती हैं। मैं भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय से मांग करता हूँ कि चित्रकूट एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थान है, उसे राष्ट्रीय कार्यक्रम समझकर, अपनी तरफ से सहयोग करें। इसी प्रकार से मैहर जहाँ माँ शारदा की पवित्र पीठ है में तीन दिवसीय " बाबा अलाउद्दीन खाँ संगीत समारोह " हर वर्ष फरवरी के महीने में आयोजित किया जाता है। उसमें भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शास्त्रीय संगीत के जानकार लोग अपनी कला का प्रस्तुतीकरण करते हैं। यह कार्यक्रम भी राज्य सरकार के सहयोग से होता है। लेकिन हम चाहते हैं कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं पर्यटन मंत्रालय द्वारा इसमें सहयोग दिया जाए। इसके साथ-साथ, अभी भारत सरकार ने जो " नमामि गंगे " योजना शुरू करने का एलान किया है, गंगा पवित्र नदी है, इस कारण उसे शामिल किया गया है। इसी प्रकार से मंदाकिनी नदी है। चित्रकूट में लाखों लोग वहाँ पर दीपावली के समय और हर माह के अमावस्या पर जाते हैं और मंदाकिनी नदी में स्नान करके उसके प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करते हैं। निश्चित तौर पर उस नदी का विस्तार बहुत ज्यादा नहीं है। इसे उस राष्ट्रीय परियोजना में शामिल किए जाने की माँग करता हूँ। इसी तरह संस्कृति मंत्रालय से मैं चाहता हूं, " रामायणम् " रामचरितमानस पर आधारित ग्रंथ है, उसका एक सचित्र ग्रंथालय के परिसर के रूप में वहाँ पर बनाया जाए। मैं आपके माध्यम से संस्कृति मंत्रालय से माँग करता हूँ।